B.A. Part-I Hons session 2019 -20
Girija uranw Depatt of PSy Paper IInd
R.M.C. Sasaram

2. बोलने की भूलें — प्राय व्यक्ति को बोलने की भूलें हो जाती है हम बोलना कुछ चाहते हैं और बोल कुछ देते है। फ्रायड ने कहा है कि इसका कारण अचेतन होता है इस प्रकार की भूलों में अचेतन में दमित इच्छाओं को व्यक्त करता है। Brown ने इस संबंध में एक बड़ा ही अच्छा उदाहरण दिया है उसका एक

Scanned with CamScanner

मित्र था जिसे अपने पर बड़ा गर्व था तथा अपने मित्र को आदर भाव की दृष्टि से देखता था। एक दिन उसे एक सभा में अपने एक मित्र के लेख पर बधाई देनी थी उसने बधाई इन शब्दों में दी इस निम्नकोटी के लेख पर मैं अपना महान विचार प्रगट करता हूं। यद्यपि उनको कहना था कि इस महान लेख पर मैं अपना साधारण विचार प्रगट करता हूँ। यहाँ इस प्रकार भूल के पीछे व्यक्ति अपने दमित विचारों को ही प्रगट करता है। फ्रायड ने एक ऐसा ही उदाहरण और दिया है जिसमें वह एक रोगी के लिए दवा लिख रहा था वह इलाज के खर्चे से परेशान थी रोगी कहती है मुझे इतने भारी बिलन देना जिन्हें मैं निगल ही न पाऊँ उसका यहाँ (Bills) बिल से तात्पर्य (Bills) से था इस प्रकार बोलने की भूल भी अचेतन से प्रेरित होता है।

3 **लिखने एवं छपने की भूलें** — दैनिक जीवन में लिखने से संबन्धीत अनेक भूले होती है इस प्रकार की भूलों में प्रायः यह देखा जाता है कि हम लिखना कुछ चाहते हैं और लिख कुछ देते हैं। यह व्यक्ति की मनोविकृत अवस्था का द्योतक है। ये भूलें अचेतन मन में दमित इच्छाओं को व्यक्त करती है। Brown ने इस सम्बन्ध में एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया था। Brown के एक मित्र को England जाने की इच्छा थी परन्तु वह कुछ

Page

कारणों से शिकागो चला गया। उसने शिकागो से Brown को लिखा "I am so glad that I am coming to see you sun" और लिफाफे पर पता लिखा था To chichago England s/o स्टीकल ने एक उदाहरण दिया है कि एक समाचार पत्र में यह वाक्य छपा "हमारे पाठक इस सत्य के गवाह है कि किस स्वार्थ भाव से हमने सदैव जाति की सेवा की है। यहाँ सम्पादक को निःस्वार्थ भाव छापना था परन्तु स्वार्थ भाव छप गया एक युवती एक डाक्टर से प्रेम करती थी उसने एक डाक्टर को पत्र लिखा जिसने उसने डाक्टर के स्थान पर Dear लिखा। इस भूल के द्वारा युवती ने डॉक्टर के प्रति प्रेम प्रदर्शित किया।

4. पहचानने की भूलें — दैनिक जीवन में कुछ ऐसी भी भूले होती है जिसमें हम परिचित व्यक्ति स्थान या वस्तुओं को शीघ्र पहचान नहीं पाते हैं इस प्रकार की तब होती है जब परिचित व्यक्ति स्थान या वस्तु को देखकर सोचने लगता है कि वह स्थान कैसा है उसे शायद कभी देखा है इत्यादि। मनोविश्लेषणवादियों का कहना है कि पहचानने की भूलें अचेतन की दमित इच्छाओं के फलस्वरूप होती है। किसी को न पहचानना उसकी अप्रियता का द्योतक है।

Scanned with CamScanner